



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 341]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 4, 2005/श्रावण 13, 1927

No. 341]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 4, 2005/SRAVANA 13, 1927

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2005

सा.का.नि. 520(अ).— खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् बनाना चाहती है, उक्त उपधारा की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ।

2. (1) आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली- 110011 को भेजे जा सकेंगे ।

(2) ऐसे आक्षेपों और सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (.....संशोधन) नियम, 2005 है ।

(2) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट ख में, पैकेज बंद पेयजल (खनिज जल से भिन्न) से संबंधित मद क.33 के पहले पैरा के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“ ‘पैकेज बंद पेय जल’ से ऐसा जल अभिप्रेत है जो पेयजल के किसी स्रोत या समुद्री जल या भूमिगत जल या भू-पृष्ठ जल से व्युत्पन्न है, जिसके निस्तारण, निष्पंदन, निष्पंदन का संयोजन वातन, झिल्लीदार, निष्पंदक के साथ निष्पंद, गहन निष्पंदक, कार्टिज, निष्पंदक, सक्रीयित कार्बन निष्पंदन, विखनिजीकरण, पुनःखनिजीकरण, प्रतीप परासरण जैसे कोई उपचार किए गए हैं और पैक किया गया है, यह उस स्तर तक विसंक्रमणित किया जा सकेगा जिससे पेयजल में हानिकर संदूषण न हों । यह रसायनिक अभिकर्मकों और/या अनेक सूक्ष्म जीवाणुओं की भौतिक पद्धति के द्वारा उस स्तर तक विसंक्रमणित किया जा सकेगा जिससे खाद्य सुरक्षा या उपयुक्तता बनी रहे :

परन्तु उपर्युक्त उपचारों को करने से पूर्व, समुद्री जल, अपक्षारीकरण और संबद्ध प्रक्रियाओं के अधीन होगा ।”

[फा. सं. पी-15014/5/2004-पीएच(खाद्य)]

रीता तेवतिया, संयुक्त सचिव

टिप्पण :— खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955, भारत के राजपत्र में का0आ0नि0 2106, तारीख 12 सितंबर, 1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सा0का0नि0... 356(अ) तारीख 7-6-2005 द्वारा अंतिम रूप से संशोधित किए गए ।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th August, 2005

G.S.R. 520(E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, proposes to make, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), is hereby published, as required by the said sub-section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public.

2. (1) Objections or suggestions, if any, in respect of the draft rules, may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, Nirman Bhavan, New Delhi-110011.

(2) The objections and suggestions, which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government;

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (..... Amendment) Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix B, in item A.33 relating to packaged drinking water (other than mineral water), for the first paragraph, the following shall be substituted, namely:—

“ ‘Packaged Drinking Water’ means water derived from any source of potable water or sea water or underground water or surface water which may be subjected to the treatments namely, decantation, filtration, combination of filtration, aerations, filtration with membrane filter, depth filter, cartridge filter, activated carbon filtration, demineralization, remineralisation, reverse osmosis and packed. It may be disinfected to a level that will not lead to harmful contamination in the drinking water. It may be disinfected by means of chemical agents and/or physical method of the number of micro organism to a level that does not compromise food safety or suitability:

Provided that sea water, before being subjected to the above treatments, would be subjected to desalination and related processes.”

[F. No. P-15014/5/2004-PH(Food)]

RITA TEAOTIA, Jt. Secy.

Note :— The Prevention of Food Adulteration Rules 1955 were published in Part II, Section 3 of Gazette of India vide S. R. O. 2106, dated the 12th September, 1955 and were last amended vide G.S.R. 356(E) dated 7-6-2005.